No. of Printed Pages : 4

MGPE-006

M.A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES

Term-End Examination

June, 2015

00138

MGPE-006 : GANDHI'S ECONOMIC THOUGHT

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any **five** questions in about 500 words each. Attempt at least **two** questions from each section. All questions carry equal marks.*

SECTION I

1. Examine the 'nationalist' critique of British colonial economic policy.

2. Compare and contrast the approaches enunciated by the nationalists and Gandhi on the question of poverty eradication.

3. What in your assessment are the basic features and the merits of Gandhi's theory of trusteeship ?

4. Write a note on Gandhi's concept of self-sufficiency.

5. 'Multiplicity of wants and acquisitiveness lead to moral decay and social disintegration.' (Gandhi). Discuss.

SECTION II

6. Examine the role and relevance of cottage and spinning units in the Gandhian perception of ensuring economic equality.

7. Describe the Gandhian model of industrialisation and highlight its relevance to the contemporary world.

8. Explain the main differences between the dominant paradigm of development and the Gandhian idea of development.

9. What according to you are the major challenges facing the Indian agrarian economy ?

10. Examine the measures initiated by the government to promote economic sustainability and social justice in India.

एम.जी.पी.ई.-006

एम.ए. (गाँधी और शांति अध्ययन)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.जी.पी.ई.-006 : गाँधी का आर्थिक चिंतन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

भाग I

1. ब्रिटिश औपनिवेशिक आर्थिक नीति की 'राष्ट्रवादी' आलोचना की समीक्षा कीजिए ।

2. ग़रीबी उन्मूलन के प्रश्न पर राष्ट्रवादियों और गाँधी द्वारा प्रदत्त दृष्टिकोणों की तुलना और विरोध की चर्चा कीजिए ।

3. आपके मत में गाँधी के न्यासिता (ट्रस्टीशिप) के सिद्धांत की मूल विशेषताएँ और गुण-दोष क्या हैं ?

4. गाँधी की आत्म-निर्भरता की संकल्पना पर टिप्पणी लिखिए ।

5. इच्छाओं की बाहुल्यता और संग्रहणशीलता दोनों ही तत्त्व नैतिक पतन और सामाजिक विघटन की ओर ले जाते हैं । (गाँधी) । चर्चा कीजिए ।

भाग II

6. आर्थिक समानता सुनिश्चित करने की गाँधीवादी अवधारणा में कुटीर और कताई-बुनाई इकाइयों की भूमिका और प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए ।

7. औद्योगीकरण के गाँधीवादी मॉडल का वर्णन कीजिए और समकालीन विश्व में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

8. विकास के प्रमुख प्रतिमान और विकास के गाँधीवादी विचार के बीच मुख्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।

9. आपके अनुसार भारतीय भूमि-सम्बन्धी अर्थव्यवस्था कौन-सी प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रही है ?

10. भारत में आर्थिक संधारणीयता (सातत्य) और सामाजिक न्याय को उन्नत करने के लिए सरकार द्वारा कौन-से उपाय किए गए हैं, समीक्षा कीजिए ।